(b) Price fixation of formulations is a continuous process. Government has fixed prices of about 150 Category I formulation packs based on drugs like Streptomycin, Iseniazid, Rifampicin, Pyrazinamide, Ethambutol, Depcone, Sodium PAS, Chloroquin, Acetazelamide, Diethyl Carbamazine Citrate etc.

(c) Ceiling prices have been notified by the Government *suo moto* with 75 per cent MAPE for such category I formulations as were having a leader price with 100 per cent mark up under DPC 1979.

(d) Prices of Rifampicin combinations have not been increased.

Private Sector participation for generation of Energy

1441. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether the policy of encouraging private sector in generation of energy has received any response;

(b) the number of applications for the joint sector which have been pending for decision; and

(c) what concrete steps Government propose to take to encourage private as joint sector for producing energy to achieve the target by the year 2000?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) to (c) The policy with regard to the generation and distribution of electricity continues to be regulated by the Industrial Policy Resolution of 1956 which does not preclude expansion of the existing privately-owned utilities or the establishment of new units in the private sector. Proposals received from private parties in regard to power generation projects are examined on merits keeping in view, *inter-alia* the requirements of power and the additionality of resources proposed to be brought in.

No proposal in respect of setting up of a power utility in the joint sector is presently pending for decision. The additional generating capacity which may be set up, in the future, in the private or joint sectors, would depend on the suitability of the proposals received from time to time.

कच्चे तेल की हानि

1442. **श्री रशीद मसूद** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने तीन वर्षों के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन तथा वास्तविक उपयोग की मात्रा के बीच निरन्तर बढ़ते अन्तर की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को जांच समिति का प्रतिवेदन प्राप्त हो चुका है ; और

(ग) यदि हां, तो प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है और इसके आधार पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है और इसके क्या परिणाम निकले हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उप मंत्री (श्री रफीक आलम) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) विशेष समिति की सिफारिशें/टिप्पणियों में ये शामिल किए गये हैं :

(1) नापने की विभिन्न तकनीकें और उनके सम्बद्ध गुण और दोष ;

(2) विभिन्न क्षेत्रों में कच्चे तेल की सप्लाई के कस्टोडी अन्तरण की प्रणाली ;

(3) उत्पादन को नापने और रिपोर्ट करने तथा प्रत्येक स्थान पर प्रेषण और प्राप्ति के लिए विशिष्ट प्रणालियों/तकनीकों का अपनाया जाना ;

(4) अन्य उपलब्ध वैकल्पिक पद्धतियों का प्रयोग करके प्रत्येक स्थान पर नाप के द्वारा क्रास चैकिंग ;

(5) वास्तविक कार्य निष्पादन आंकडों के विश्लेषण के लिए समितियों का गठन तथा आवधिक समीक्षा के लिए बैठकें ;

(6) भावी आयोजना के लिए कच्चे तेल के उत्पादन तथा उपलब्धता के आकड़ों का अनुमान लगाना ।

समिति द्वारा सुझाए गए उपकरणों को लगा दिया गया है / लगाया जा रहा है तथा सुझाए गए उपायों को लागू किया जा रहा है ।

कच्चे तेल की ढुलाई के कारण आर्थिक हानि

1443. **श्री रशीद मसूद** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बम्बई हाई और देश के अन्य क्षेत्रों में उत्पादित होने वाले कच्चे तेल के उत्पादन तथा उसके वास्तविक उपयोग की मात्रा के बीच अंतर है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान उत्पादित और वास्तविक रूप में उपयोग किए गए कच्चे तेल की मात्रा का वर्षवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कच्चे तेल की ढुलाई के कारण भारी आर्थिक हानि होती है ; और

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान यह हानि कितनी हुई और इसे रोकने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रफीक आलम) : (क) से (घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वदेशी कच्चे तेल के उत्पादन और रिफाइनरियों में प्रोसेस करने जिसमें इंवेन्ट्री बिल्ड-अप (डिप्लीशन) तथा निर्यात शामिल में अन्तर इस प्रकार है :—

("000" मी० टन)

	1985-86	1986-87	1987-88*
(1) स्वदेशी कच्चे तेल का उत्पादन	30168	30480	30338
(2) प्रोसेस किया जाने वाला कच्चा तेल जिसमें बनाए गए उत्पाद (डिप्लीशन) और निर्यात शामिल हैं	29096	29733	29417
(3) अंतर का सामंजस्य	1072	747	92

* अनन्तिम

परिवहन की हानियों के संबंध में अलग से आंकड़े उपलब्ध नहीं है । उपर्युक्त अंतर मुख्य रूप से प्रोसेस करने और ट्रांजिट के दौरान मामले मे गलतियों और शुद्धता तथा लाने ले जाने और भंडारण में हानियां के कारण होते हैं । इस अंतर को कम करने के लिए ऊठाए जा रहे कुछ कदम इस प्रकार हैं :

- बम्बई हाई क्रूड को मापने के लिए बचर आइलैंड मे मीटर प्रूवर, टी०डी० मीटर आटो इन लाइन सेपलर तथा डेन्सिटी मीटरों की स्थापना ।
- जिन जानेरेशन टैंकरों सेंग्रीरेडिट बालास्ट सुविधाएं होती है उनको हाल ही में लगाया जाना ।
- कच्चे तेल के परिवहन पर नियमित निगरानी रखना ।